टीकाकरण

टीकाकरण के द्वारा कड़कनाथ कुक्कुट में विषाणु जनित बीमारियों को रोका जाता हैं। क्योंकि विषाणु से होने वाली बीमारी एक बार यदि मुर्गियों में आ जाती है तक मुर्गियां मरने लगती है और उनका बचना बहुत ही मुश्किल या असम्भव हो जाता है। इसलिए विषाणु जनित बीमारीयों के बचाव के लिए टीकाकरण ही मात्र एक उपाय है।

मुर्गीयों का टीकाकरण हमेशा नमी लिये हुये पावडर के रूप में शीशी में बंद आता है जिसके साथ डायलूएन्ट (स्टाराइल पानी या अन्य माध्यम) अलग शीशी में आता है इन दोनो टीका एवं डायलूएन्ट को हमेशा रेफ्रिजरेटर में रखना चाहिए।

कड़कनाथ कुक्कुटों में दवाईयाँ देने की कार्ययोजना

1–2 दिन	इलेक्ट्राल/गुड़ का पानी	इलेक्ट्राल 1–2 ग्राम/लीटर पानी गुड़ 8–10 ग्राम/लीटर पानी
1–10 दिन	विटामिन एडी3सी.ई., विटामिन बी काम्प्लेक्स	3 मि.ली./100 चूजे 7 मि.ली./100 चूजे
3–5 दिन	एन्टीबायोटिक	0.5 ग्राम/लीटर पानी
8–10 दिन	प्रोबायोटिक्स	1 ग्राम/लीटर पानी
11–13 दिन	केल्सियम	15–20 मि.ली./100 चूजे
15–20 दिन	लीवर टॉनिक	10 मि.ली./100 चूजे

मॉस हेतु कड़कनाथ कुक्कुटों में टीकाकरण के लिये कार्ययोजना

सप्ताह	दिन	टीका का नाम	देने की विधि
1	7	एफ–1, बी–1 (रानीखेत बीमारी)	आँख व नाक में एक बूंद डालकर
2	14	गम्बेरो एन्टरमीडीएट	पीने के पानी में
3	21	लासोटा (रानीखेत बीमारी)	पीने के पानी में
5	35–45	गम्बेरो एन्टरमीडीएट	पीने के पानी में
9	60–65	आर–2 बी	इन्जेक्शन द्वारा माँस पेशियों या त्वचा के नीचे

टीका एवं डायलूएन्ट मिलाने का तरीका

1. एक निर्जमीकृत (स्टर्लाइज) सुई की सहायता से ठंडे डायलूएन्ट मे से 5 मि.ली. डायलूएन्ट टीका वाली शीशी में डालना चाहिए।
2. टीका + डायलूएन्ट को धीरे–धीरे हिलाना चाहिए तथा जब तक टीका का पावडर एक पारदर्शी घोल न बन जाये।

3. टीका को हमेशा मुर्गियों की संख्या के हिसाब से खरीदना चाहिए जैसे यदि 500 चूजें है तो हमें 500 डोज वाला टीका एवं डायलूएन्ट खरीदना चाहिए।
4. इसके बाद घोल को निकालकर डायलूएन्ट शीशी में डाल देते है एवं बचे हुए डायलूएन्ट से टीका वाली शीशी को 2–3 बार धोते है।
5. इस प्रकार तैयार की गई टीका अच्छी तरह से मिलाकर उसे थर्मस या थर्माकोल बाक्स में रख लेना चाहिए। लेकिन थर्मस या थर्माकोल बाक्स में बर्फ आवश्यक रुप से होना चाहिए ताकि टीका हमेशा ठंडा बना रहे।
6. जब टीका को ड्रापर में लेना हो टीका की शीशी को हमेशा हिलाना चाहिए एवं ड्रापर से कम–कम टीका करना चाहिए ताकि टीका जल्दी खत्म हो जाये एवं टीका गरम न होने पाए।

अण्डादेय कड़कनाथ मुर्गियों में टीकाकरण, डीविर्किंग (चोंच काटना) एवं डीवर्मिंग (कृमिविहिनीकरण) का समय एवं तरीका

क्रमांक	आयु	टीका/चोंच काटना	तरीका
1	1–3 दिन	गम्बेरो इन्टरमीडियेट टीका	आई ड्राप (आँखों द्वारा)
2	7 दिन	लसोटा एफ–1	आई ड्राप (आँखों द्वारा)
3	10 दिन	पहली डीविर्किंग	गर्म ब्लेड़ पर चोंच को केवल स्पर्श कराकर
4	14 दिन	गम्बेरो इन्टरमीडियेट	आई ड्राप
5	18 दिन	मरेक्स बीमारी का टीका	0.2 मिली. माँसपेशियों में
6	21–23 दिन	इन्फेक्शियस ब्रेन्काइटिस + लसोटा को एक साथ	पीने के पानी के द्वारा
7	28–30 दिन	डीवर्मिं ग (क्रमिविहिनीकरण)	पीने के पानी में (पाइपराजीन)
8	42 दिन	आर–2 बी	इन्जेक्शन द्वारा माँस पेशियों या त्वचा के नीचे
9	8 सप्ताह	फाउल पाक्स	पीने के पानी में
10	12 सप्ताह	डीवर्मिं ग (क्रमिविहिनीकरण)	पाइपराजीन को पीने के पानी में मिलाकर
11	13 सप्ताह	आर–2 बी	इन्जेक्शन द्वारा माँस पेशियों या त्वचा के नीचे
12	14 सप्ताह	फाउल पाक्स	इन्जेक्शन द्वारा माँस पेशियों या त्वचा के नीचे
13	15–16 सप्ताह	आखरी डीविर्किंग	गर्म ब्लेड़ से दोनो चोंचों को काटना /स्पर्श कराकर
14	18 सप्ताह	रानीखेत बीमारी का किल्ड टीका	इन्जेक्शन द्वारा माँस पेशियों या त्वचा के नीचे